

उर्ध्वचेतना स्त्री. (तत्.) 1. स्नायुसंघटन की बहुत उत्तेजित अवस्था के परिणामस्वरूप तीव्र चेतना (तीव्र बुखार आदि में) 2. समाधिस्थ अवस्था में शरीर और इंद्रियों की सीमा से परे स्थित और अगोचर घटनाओं या वस्तुओं का ज्ञान।

उर्ध्वछंद पुं. (तत्.) मंदिर की आधारशिला से शिखर तक की ऊँचाई।

उर्ध्वजानु वि. (तत्.) ऊँचे घुटनों वाला।

उर्ध्व ताड़ासन वि. (तत्.) योग. सीधे खड़े होकर दोनों हाथों की अँगुलियों को एक-दूसरे के बीच (फँसा कर) और साथ ही पैरों को मिला कर श्वास अंदर भरते हुए हाथों और एड़ियों को ऊपर की ओर तानना और फिर श्वास छोड़ते हुए पूर्व स्थिति में आना।

उर्ध्वतिलकी वि. (तत्.) ऊपर की ओर तिलक लगाने वाला, खड़ा टीका लगाने वाला।

उर्ध्वदृष्टि वि. (तत्.) 1. ऊपर की ओर देखना 2. महत्वाकांक्षी, उच्चाकांक्षी, ऊँची सोच स्त्री. योग की एक क्रिया जिसमें दृष्टि ऊपर ले जाकर त्रिकुटी पर केंद्रित की जाती है।

उर्ध्वदेह स्त्री. (तत्.) मृत्यु के बाद प्राप्त होने वाला शरीर।

उर्ध्वद्वार पुं. (तत्.) 1. ऊपर का द्वार 2. ब्रह्मरंध्र।

उर्ध्वनयन वि. (तत्.) 1. जिसकी दृष्टि ऊपर की ओर हो 2. महत्वाकांक्षी पुं. पुराणों में वर्णित एक काल्पनिक शरभ नामक शक्तिशाली प्राणी।

उर्ध्वपथ पुं. (तत्.) 1. आकाश मार्ग, आकाश 2. ऊपरी मार्ग, उच्च पथ।

उर्ध्वपाद वि. (तत्.) दे. उर्ध्व चरण पुं. टिड्डी नामक उड़ने वाला कीट।

उर्ध्वपुंड्र पुं. (तत्.) वैष्णव संप्रदाय में प्रचलित चंदन, गोपीचंदन का तिलक जो माथे पर खड़ा लगाया जाता है, खड़ा तिलक।

उर्ध्वबाहु विं. (तत्.) जिसकी भुजाएँ ऊपर की ओर उठी हों पुं. वे तपस्वी (साधु) जो अपनी एक भुजा सदैव ऊपर उठाए रहते हैं।

उर्ध्वबिंदु पुं. (तत्.) ऊपर का बिंदु, अनुस्वार का चिह्न (शीर्षबिंदु) खगो. देखने वाले के सिर के ऊपर आकाश में सबसे ऊँचा स्थान।

उर्ध्वमुख वि. (तत्.) जिसका मुख ऊपर की ओर हो। वि. अग्नि, आग।

उर्ध्वमुखी वि. (तत्.) 1. ऊपर की ओर मुख वाली 2. उन्नतिशील 3. आध्यात्मिक।

उर्ध्वरेतस/उर्ध्वरेता वि. (तत्.) योग. अपने वीर्य को कभी नष्ट न करने वाला, ब्रह्मचारी पुं. 1. महादेव, शिव 2. अखंड, भीष्म पितामह 3. हनुमान।

उर्ध्वलिङ्गी वि. (तत्.) महादेव, शिव।

उर्ध्वलोक पुं. (तत्.) ऊपरी लोक या स्वर्ग, आकाश।

उर्ध्ववर्ती वि. (तत्.) 1. ऊपरी लोक में रहने वाला 2. स्वर्गीय 3. ऊँचे पद पर आसीन, वरिष्ठ।

उर्ध्ववायु स्त्री. (तत्.) मुँह से निकलने वाली वायु, डकार।

उर्ध्वशायी वि. (तत्.) उत्तान (चित) होकर सोने वाला, उत्तानशायी पुं. शिव, महादेव।

उर्ध्वश्वास पुं. (तत्.) 1. ऊपर की ओर चलने या चढ़ने वाली श्वास 2. मृत्यु के समय ऊपर की ओर चलने वाली विशेष साँस।

उर्ध्वहनु पुं. (तत्.) आयु. ऊपर के जबड़े की हड्डी।
maxilla

उर्ध्वांग पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु का ऊपरी भाग, अंग 2. मस्तक, सिर।

उर्ध्वाकर्षण पुं. (तत्.) ऊपर की ओर होने वाला खिंचाव, ऊपर की ओर खींचना।

उर्ध्वाधर वि. (तत्.) सीधा खड़ा। vertical

उर्ध्वाम्नाय पुं. (तत्.) वैष्णव संप्रदाय में तंत्र का एक भेद।

उर्ध्वायन पुं. (तत्.) 1. ऊपर की ओर जाना। उड़ना 2. स्वर्ग जाने का मार्ग।

उर्ध्वारोह/उर्ध्वारोहण पुं. (तत्.) 1. ऊपर की ओर जाना 2. मृत्यु के बाद स्वर्ग जाना, स्वर्गवास।